

# د قرآن نور

اول جز: درس 17- سورة البقرة آيات 102-108

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

|                      |                      |                     |                  |
|----------------------|----------------------|---------------------|------------------|
| وَاتَّبَعُوا         | مَا تَتْلُوا         | الشَّيَاطِينُ       | عَلَىٰ مُلْكٍ    |
| تبع                  | تلو                  | شطن                 | م لك             |
| او هغوی پیروی اوکره  | د هغه څه چه لوستل به | شیطانانو            | په بادشاهی کبښ   |
| سُلَيْمَانَ          | وَمَا                | كَفَرَ              | سُلَيْمَانُ      |
| شطن                  | ونه وو               | کفر                 | سلیمان علیه سلام |
| د سلیمان علیه سلام   | او نه وو             | کفر کرے             | او لیکن          |
| الشَّيَاطِينِ        | كَفَرُوا             | يُعَلِّمُونَ        | النَّاسَ         |
| شطن                  | کفر                  | علم                 | نوس              |
| شیطانانو             | کفر کرے وو           | هغوی به بنودلو      | خلقوته           |
| عَلَىٰ               | الْمَلَائِكِينَ      | بِبَابِلَ           | هَرُوتَ          |
| م لك                 | دوو فرشتو باند       | په بابل کبښ         | په هاروت         |
| په                   | دوو فرشتو باند       | په بابل کبښ         | په هاروت         |
| مِنْ أَحَدٍ          | حَتَّىٰ              | يَقُولَا            | إِنَّمَا         |
| أحد                  | تردے چه              | وئیل به دوی دوانرو  | بے شکه           |
| یو کس ته             | تردے چه              | وئیل به دوی دوانرو  | بے شکه           |
| فَلَا                | تَكْفُرُ             | فَيَتَعَلَّمُونَ    | مِنْهُمَا        |
| پس مه                | کفر                  | علم                 | د دے دوانرو نه   |
| پس مه                | کفر کوئ              | پس هغوی به ازده کوؤ | د دے دوانرو نه   |
| يُفَرِّقُونَ         | بِهِ                 | بَيْنَ              | الْمَرْءِ        |
| فرق                  | به                   | بین                 | المرء            |
| هغوی به جدای راوستله | سره د هغه            | په مینخ کبښ         | د سرې            |
| هغوی به جدای راوستله | سره د هغه            | په مینخ کبښ         | د سرې            |

# د قرآن نور

اول جز: درس 17- سورة البقرة آيات 102-108

|                             |                    |                      |                           |             |                   |                         |
|-----------------------------|--------------------|----------------------|---------------------------|-------------|-------------------|-------------------------|
| وَمَا                       | هُم                | بِضَّارَيْنَ         | بِهِ                      | مِنْ أَحَدٍ | إِلَّا            | بِإِذْنِ اللَّهِ        |
|                             |                    | ض ر ر                |                           | أ ح د       |                   | أ ذ ن                   |
| او نہ وو                    | ہغوی               | نقصان رسوالو والا    | سرہ د ہغے                 | یوکس له     | مگر               | د اللہ تعالیٰ د اذن سرہ |
| وَيَتَعَلَّمُونَ            | مَا                | يَضُرُّهُمْ          | وَلَا                     |             |                   |                         |
|                             |                    | ض ر ر                |                           |             |                   |                         |
| او ہغوی بہ ازده کوو         | خہ چہ بہ           | نقصان ورکولو ہغوی له | او نہ بہ                  |             |                   |                         |
| يَنْفَعُهُمْ                | وَلَقَدْ           | عَلِمُوا             | لَمَنْ                    |             |                   |                         |
| ن ف ع                       |                    | ع ل م                |                           |             |                   |                         |
| ہغے خہ فائدہ ورکولہ ہغوی له | او البتہ بے شکہ    | ہغوی تہ پتہ وہ       | البتہ چا چہ بہ            |             |                   |                         |
| أَشْتَرَنَهُ                | مَا                | لَهُ                 | فِي الْأَخِرَةِ           | مِنْ خَلْقٍ | وَلَبِئْسَ        |                         |
| ش ر ي                       |                    |                      | أ خ ر                     | خ ل ق       | ب أ س             |                         |
| واخستو ہغہ (جادو)           | نشستہ              | د ہغہ دپارہ          | پہ آخرت کبیں              | خہ حصہ      | او خومرہ بد       | دے                      |
| مَا شَرَوْا                 | بِهِ               | أَنْفُسَهُمْ         | لَوْ                      | كَانُوا     | يَعْلَمُونَ ﴿١٠٢﴾ |                         |
| ش ر ي                       |                    | ن ف س                |                           | ك و ن       | ع ل م             |                         |
| چہ دوئی خرش کرل             | پہ بدلہ کبیں د ہغے | خپل خانونہ           | کاش                       | چہ وے دوئی  | دوئی پوہیدے -     |                         |
| وَلَوْ                      | أَنْتَهُمْ         | ءَامَنُوا            | وَأَتَّقُوا               |             |                   |                         |
|                             |                    | أ م ن                | و ق ي                     |             |                   |                         |
| او کہ چرے                   | بے شکہ ہغوی        | ایمان راوڑے وے       | او تقویٰ ئی اختیار کرے وے |             |                   |                         |
| لِمَثُوبَةٍ                 | مَنْ عِنْدَ        | اللَّهِ              | خَيْرٌ                    | لَوْ        | كَانُوا           |                         |
| ث و ب                       | ع ن د              | ال ه                 | خ ي ر                     |             | ك و ن             |                         |
| البتہ ثواب بہ ئی موندلے وو  | د طرفنہ            | د اللہ تعالیٰ        | بہتر                      | کاش چہ      | وے ہغوی           |                         |

# د قرآن نور

## اول جز: درس 17- سورة البقرة آيات 102-108

|                   |                        |                   |                    |                        |
|-------------------|------------------------|-------------------|--------------------|------------------------|
| يَعْلَمُونَ ﴿١٠٣﴾ | يَأْتِيهَا الَّذِينَ   | ءَامِنُوا         | لَا تَقُولُوا      | رَاعِنَا               |
| علم               |                        | امن               | قول                | رع                     |
| هغوی پوهیدے -     | اے خلقو جا چه          | ایمان راورے دے    | مه وائی تاسو       | رعایت اوکری خمونبر سره |
| وَقُولُوا         | أَنْظُرْنَا            | وَأَسْمَعُوا ۗ    | وَلِلْكَافِرِينَ   | عَذَابُ                |
| قول               | نظر                    | سمع               | كفر                | عذاب                   |
| بلکہ اووایی       | نظر اوکری خمونبر طرفته | او د غور سره اورئ | او د کافرانو دپاره | عذاب دے                |
| أَلِيمٌ ﴿١٠٤﴾     | مَا                    | يَوَدُّ           | الَّذِينَ          | كَفَرُوا               |
| الم               | ودد                    |                   | كفر                | اهل                    |
| دردناک -          | نه                     | غواړی             | هغوی جا چه         | کړے دے                 |
| د اهل کتاب نه     | او نه                  |                   |                    |                        |
| الْمُشْرِكِينَ    | أَنْ                   | يُنزَّلَ          | عَلَيْكُمْ         | مَنْ خَيْرٍ            |
| شرك               |                        | نزل               |                    | خي                     |
| مشركان            | چه                     | نازل شی           | په تاسو باند       | شه خیر                 |
| او الله تعالی     |                        |                   |                    |                        |
| يَخْتَصُّ         | بِرَحْمَتِهِ           | مَنْ يَشَاءُ ۗ    | وَاللَّهُ          | ذُو الْفَضْلِ          |
| خصص               | رحم                    |                   | اهل                | فضل                    |
| هغه خاص کوی       | سره د خپل رحمت         | خوک چه هغه غواړی  | والله تعالی        | فضل والا دے            |
| الْعَظِيمِ ﴿١٠٥﴾  | مَا                    | نَنْسَخُ          | مِنْ آيَةٍ         | أَوْ                   |
| عظم               |                        | نسي               | اي                 |                        |
| ډیر لوئے          | نه                     | مونبر منسوخ کوؤ   | د یو آیت نه        | یا                     |
| مونبر هغه هیر کړو |                        |                   |                    |                        |
| نَاتٍ             | بِخَيْرٍ               | مِنْهَا           | أَوْ               | مِثْلَهَا ۗ            |
| اتي               | خیر                    |                   |                    | مثال                   |
| مونبر راوړو       | بهتر                   | د هغه نه          | یا                 | د هغه په شان           |
| تاسو پوهیری چه    |                        |                   |                    |                        |
| أَنَّ اللَّهَ     | عَلَى                  | كُلِّ             | شَيْءٍ             | قَدِيرٌ ﴿١٠٦﴾          |
| اهل               |                        | كلل               | شي                 | قدر                    |
| بے شكه الله تعالی | په                     | هر                | خیز                | ډیر قدرت لرلو والا دے  |
| آیا نه            |                        |                   |                    |                        |

# د قرآن نور

## اول جز: درس 17- سورة البقرة آيات 102-108

|               |               |                  |                      |                  |                 |
|---------------|---------------|------------------|----------------------|------------------|-----------------|
| تَعْلَمَ      | أَنَّ         | اللَّهِ          | لَهُ                 | مُلْكُ           | السَّمَاوَاتِ   |
| علم           |               | آلہ              |                      | ملک              | سمو             |
| تاسو پوهیڙی   | بے شکه        | الله تعالیٰ      | هم د هغه دپاره ده    | بادشاهی          | د آسمانونو      |
| وَالْأَرْضِ   | وَمَا         | لَكُمْ           | مِنْ دُونِ           | اللَّهِ          | مِنْ وِلِيِّ    |
| ارض           |               |                  | دون                  | آلہ              | ولي             |
| او د زمڪ      | او نشته       | ستاسو دپاره      | سوا                  | د الله تعالیٰ نه | خوڪ دوست        |
| وَلَا         | نَصِيرٍ ﴿١٠٧﴾ | أَمْ             | تُرِيدُونَ           | أَنْ             | تَسْأَلُوا      |
|               | نصر           |                  | رود                  |                  | سأل             |
| اونه          | خوڪ مددگار    | آيا              | تاسو غواری           | چه               | تاسو سوال اوکړی |
| رَسُولَكُمْ   | كَمَا         | سُئِلَ           | مُوسَى               | مِنْ قَبْلُ      |                 |
| رسل           |               | سأل              |                      | قبل              |                 |
| د خپل رسول نه | لكه څنگه چه   | سوال شوے وو      | د موسیٰ علیه سلام نه | د دے نه وړاندې   |                 |
| وَمَنْ        | يَتَّبَعِ     | الْكُفْرَ        | بِالْإِيمَانِ        | فَقَدْ           | ضَلَّ           |
|               | بدل           | كفر              | آمن                  |                  | ضل ل            |
| او خوڪ چه     | بدل کړی       | كفر              | په بدله كښ د ايمان   | نو بے شکه        | هغه اورک شو     |
|               | سَوَاءً       | السَّبِيلِ ﴿١٠٨﴾ |                      |                  |                 |
|               | سوي           | س بل             |                      |                  |                 |
|               | د نيغ         | لارے نه          |                      |                  |                 |